WHISPERS IN THE CORRIDORS.COM

डॉ. सुरेश मेहरोत्रा

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

● क्या पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को अपने कर्मचारियों को हटाए जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी?

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के कार्यालय से चार प्रमुख प्रशासनिक सहायकों को अचानक हटाए जाने से दिल्ली में हलचल मच गई है और राजनीतिक अटकलों का दौर शुरू हो गया है। आधिकारिक तौर पर इसे सामान्य प्रशासनिक समायोजन बताया जा रहा है, लेकिन कानाफूसी के जाल में पर्दे के पीछे की सच्चाई कहीं अधिक नाटकीय बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय के भीतर पनप रहे विवाद के कारण ये अचानक तबादले हुए। इस प्रशासनिक फेरबदल को अभूतपूर्व बनाने वाली बात यह है कि ये आदेश सामान्य मंत्रिस्तरीय प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए सीधे 'उच्च अधिकारियों' से आए, संभवत: प्रधानमंत्री कार्यालय से।

हैरानी की बात यह है कि अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि भूपेंद्र यादव को इस अचानक हुए फेरबदल के बारे में तब तक कोई जानकारी नहीं थी जब तक कि कैबिनेट सचिवालय को आधिकारिक अधिसूचनाएँ नहीं भेजी गईं। एक ऐसी व्यवस्था में जहाँ मंत्री परंपरागत रूप से अपने सबसे करीबी विश्वासपात्रों को चुनते हैं, मंत्री की सहमति के बिना रातोंरात पूरी टीम को बर्खास्त करना एक महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय हस्तक्षेप का संकेत देता है। क्या यह साहसिक संस्थागत दरकिनारता तत्काल नुकसान को कम करने का उपाय था या केंद्रीय नेतृत्व का सीधा राजनीतिक संदेश, यह एक अनसुलझा सवाल बना हुआ है।

● क्या शाह पंजाब में बंगाल की रणनीति को दोहराएंगे?

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी पंजाब

विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी की चुनाव प्रचार रणनीति में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। अगर यह कदम अंतिम रूप ले लेता है, तो यह पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान शाह द्वारा अपनाए गए गहन जमीनी जुड़ाव के मॉडल की तरह हो सकता है, जहां उन्होंने बूथ स्तर पर लामबंदी और संगठनात्मक विस्तार की निगरानी के लिए व्यापक रूप से शिविर लगाए थे।

पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग हैं। शिरोमणि अकाली दल से विभाजन के बाद भाजपा अपनी रणनीति को नए सिरे से तय करने की कोशिश कर रही है, साथ ही राज्य में उसका निर्दलीय आधार भी अपेक्षाकृत कमजोर है। सूत्रों के अनुसार, शाह की भूमिका कैडर नेटवर्क को मजबूत करने, शहरी और हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्रों को लक्षित करने और आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों के खिलाफ तीखा रुख अपनाने पर केंद्रित होगी। माना जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व पंजाब के अनूठे सामाजिक-राजनीतिक परिवेश में राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और विकास से जुड़े संदेशों को चुनावी लाभ में बदलने के तरीकों की तलाश कर रहा है। शाह की सीधी निगरानी राज्य नेतृत्व को सक्रिय करने और दिल्ली तथा स्थानीय इकाइयों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक कदम का संकेत भी हो सकती है।

● क्या AAP-SP गठबंधन उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने की स्थिति में है?

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों पार्टियां सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनाने के उद्देश्य से बातचीत के उन्नत चरण में हैं।

इस घटनाक्रम से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम (जिन्होंने हाल ही में आप छोड़ी है) ने भले ही इस बात के पुख्ता संकेत दिए हों कि कांग्रेस, सपा के साथ सीट बंटवारे में 'समानता और सम्मान' चाहती है और 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा के 'बड़े भाई' जैसे प्रदर्शन का हवाला देती है, लेकिन सपा द्वारा आप के प्रति दिखाई जा रही नरमी एक अलग ही दिशा का संकेत देती है। यदि सपा-आप समझौता हो जाता है, तो राज्य की राजनीतिक समीकरण में कांग्रेस की भूमिका और भी कमज़ोर हो सकती है।

चूंकि सपा संभवत: अपने पीचड़ा, दलित, अल्पसंख्याक आधार को मजबूत करने के लिए एक क्षेत्रीय गठबंधन को प्राथमिकता दे रही है और आम आदमी पार्टी अपने राष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार करने का लक्ष्य रख रही है, ऐसे में कांग्रेस खुद को हाशिए पर पा सकती है।

● ममता बनर्जी का 21 जुलाई का कार्यक्रम संदिग्ध

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, क्योंकि पार्टी के भीतर ही एक बड़ा विद्रोह छिड़ गया है। पार्टी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है, जो 21 जुलाई, 1993 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान कोलकाता में पुलिस द्वारा गोली मारकर हत्या किए गए 13 लोगों की याद में मनाया जाता है। इस वर्ष कई प्रमुख नेताओं ने ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया है और कोलकाता स्थित टीएमसी मुख्यालय पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि ममता बनर्जी इस वर्ष का आयोजन कर पाएंगी या नहीं।

प्रशासनिक

● क्या राजस्थान के मुख्य सचिव को कार्यकाल विस्तार मिलने की संभावना है?

दिल्ली के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, राजस्थान के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास को 31 अगस्त को एक वर्ष का सेवा विस्तार मिलने की संभावना है। वह राजस्थान कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

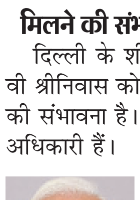

● संसद सत्र से पहले प्रधानमंत्री द्वारा सचिवों की एक और बैठक बुलाए जाने की संभावना

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी संसद सत्र से पहले सचिवों की एक और बैठक बुला सकते हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में सचिवों के साथ हुई बैठक में प्रधानमंत्री ने इस ओर संकेत दिया था।

● आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीना ने वीआरएस मांगा

ओडिशा कैडर के 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीना ने सेवा से इस्तीफा दे दिया है। वे भुवनेश्वर में डीसीपी के पद पर तैनात हैं। उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।

● क्या सीसीआई को दो नए सदस्य मिलेंगे?

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) को आने वाले महीनों में दो नए सदस्य मिलने की संभावना है। नौकरशाही हलकों में चल रही चर्चाओं के अनुसार, यह घटनाक्रम एक मौजूदा सदस्य के इस्तीफे के बाद हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ के बांदा आगमन पर कई परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, बांदा : बुंदेलखंड का हृदय स्थल कहा जाने वाला ऋषि वामदेव की नगरी बांदा अब अपने पुराने पिछड़ेपन की पहचान को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश के एक बड़े औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के केंद्र के रूप में उभर रहा है। आगामी 09 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बांदा दौरा प्रस्तावित है। जिसको लेकर पूरे प्रशासनिक अमले और संगठन में भारी हलचल है। मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों के तहत मंडलायुक्त अजीत कुमार, जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी सभी विभागों का नेतृत्व कर तैयारी में जुटे हुए हैं नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों कालूकुआं, मवई चौराहा, बिजलीखेड़ा को अतिक्रमण मुक्त और सुव्यवस्थित किया जा रहा है।

योगी सरकार के कार्यकाल में बांदा में स्वास्थ्य, सड़क, कनेक्टिविटी, स्वच्छ ऊर्जा और विशेषकर सिंचाई के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण दौरे से पहले स्थानीय स्तर पर जिले में हुए बड़े नीतिगत और जमीनी बदलावों की चर्चा चरम पर है।

बांदा को भविष्य का महानगर बनाने के लिए सरकार ने मास्टर प्लान 2031 में बांदा के औद्योगिक गलियारे को विशेष स्थान दिया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे जमालपुर

और महोखर गांवों में करीब 576 हेक्टेयर भूमि पर विशाल औद्योगिक गलियारा विकसित किया जा रहा है। जिसके लिए सरकार ने प्रारंभिक दौर में 25 करोड़ रूपये आवंटित कर भूमि खरीद प्रक्रिया तेज कर दी है। जिससे 'बीड़ा' की तर्ज पर बांदा का यह विस्तार आने वाले समय में हजारों स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और बड़े उद्योगपतियों के लिए निवेश का सबसे पसंदीदा केंद्र बनेगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के निर्माण ने बांदा को सीधे देश की राजधानी दिल्ली और राज्य की राजधानी लखनऊ के व्यापारिक गलियारे से जोड़ दिया है। स्थानीय स्तर पर शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए हाल ही में किरन कॉलेज चौराहे से बाबूलाल चौराहे तक 23.88 करोड़ रुपये की लागत से सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण परियोजना का काम शुरू किया गया है जो शहर को जाम से मुक्ति दिलाएगा और स्थानीय व्यापार को गति देगा। स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में कभी रेफरल सेंटर पर निर्भर रहने वाला बांदा आज राजकीय मेडिकल कॉलेज के माध्यम से पूरे मंडल को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं दे रहा है क्योंकि योगी सरकार में यहां की सुविधाओं को दुरुस्त करने व बढ़ाने का काम किया गया है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट 'ऑपरेशन कायाकल्प' के जरिए सुदूर ग्रामीण इलाकों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया गया है।

मुख्यमंत्री के 09 जुलाई के वीवीआईपी दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य किला बना दिया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक राजेश एस, पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में लगातार प्रतिदिन अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज अपनी पूरी टीम के साथ शहर में सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू ढंग से बनाने के लिए पैदल गस्त कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षा व्यवस्था को पांच चक्रों में बांटा गया है। जिसमे 3000 से अधिक पुलिसकर्मी और 50 से ज्यादा इंस्पेक्टर मुस्तैद रहेंगे। हेलीपैड से लेकर जनसभा स्थल की सुरक्षा का खाका खुद उच्चाधिकारियों द्वारा तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को डीबीटी से भेजेंगे 1200 रु.

कैशलेस चिकित्सा सुविधा का शुभांरभ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षकों व उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सा योजना की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल, बड़ा लालपुर में आयोजित कार्यक्रम में कुछ ही देर में प्रदेश के लगभग 1.10 करोड़ बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्टेशनरी आदि के लिए प्रति विद्यार्थी 1200 रुपये डीबीटी के माध्यम से धनराशि भेजेंगे।

इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री संदीप सिंह तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग (स्वतंत्र प्रभार) की मंत्री गुलाब देवी भी मौजूद रहेगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इससे पात्र कार्मिकों को अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ व हरित विद्यालयों के 12 प्रधानाचार्यों को सम्मानित भी करेंगे।

बताते चले 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' के लागू होते ही प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। इस बड़ी योजना में नियमित शिक्षकों के साथ शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के पात्र कार्मिकों को भी शामिल किया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक हेमंत राव के अनुसार, मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा से वाराणसी मंडल के 7,417 बेसिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 66,205 पात्र कर्मी सीधे लाभांवित होंगे।

विस चुनाव से पहले आपसी मतभेद दूर करेगी भाजपा

राष्ट्रीय अध्यक्ष दे गए जीत का मंत्र

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : भाजपा नेताओं के बीच मनभेद और मतभेद के कारण पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।

भाजपा विधानसभा चुनाव 2027 में इस गलती को दोहराना नहीं चाहती। लिहाजा लखनऊ से दिल्ली तक के बड़े नेता सरकार और संगठन में खेमेबंदी पर लगाम लगाने में जुट गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे में स्वागत, भाषणबाजी, मेल-मिलाप समेत हर कार्यक्रम में यही कोशिश दिखी।

साफ है कि पार्टी मनभेद, मतभेद दूर कर जीत के मंत्र के साथ 2027 की पिच तैयार करने में जुट गई है। भाजपा अध्यक्ष के दो दिवसीय दौरे में धुर विरोधी नेताओं के एकता के प्रदर्शन से साफ है कि सभी धड़ों को शीर्ष स्तर से साफ संदेश है कि अगर 2027 में खेमेबंदी हुई तो पार्टी को फिर नुकसान होगा, जिसे शीर्ष नेतृत्व बर्दाश्त नहीं करेगा। वैसे तो यह नितिन नवीन का सांगठनिक दौरा था लेकिन जिस तरह से वह प्रदेश सरकार व संगठन के नेताओं को साथ लेकर घर-घर घूमे और एकदूसरे के दिल में जमी गर्द साफ करने की कोशिश की, उससे साफ हो गया कि आपसी लड़ाई बंद करने और विपक्ष से लड़ने की तैयारी शुरू हो गई है।

युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं से जोड़ें : मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने महिला छात्रावास का किया शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को राजकीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान, सप्रू मार्ग, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में महिला छात्रावास का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में स्थापित नवीन मशीनों का फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट, आर्थिक अनुदान राशि के डेमो चेक एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से संवाद किया तथा उनके अनुभवों, प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर

बनकर उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया।

अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश के समग्र विकास का आधार गांवों का विकास है। जब गांव समृद्ध होंगे, किसान सशक्त होंगे और स्थानीय स्तर पर उद्योग स्थापित होंगे, तभी प्रदेश विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रत्येक विकास खंड स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं की प्रदर्शनी आयोजित की जाए, ताकि युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं उद्यमियों को विभागीय योजनाओं, अनुदानों एवं रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी मिल सके।

इस अवसर पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा, विशेष सचिव राजकमल यादव, निदेशक उद्यान बी.पी. राम, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के रजनीकान्त पाण्डेय, उप सचिव प्रभंजन यादव, संयुक्त निदेशक एम.पी. सिंह,फल संरक्षण अधिकारी मनोज सागर उपस्थित रहे।

शिक्षकों को मिलेगा एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा

मुख्यमंत्री ने शुरू की पांच लाख रुपए तक निः शुल्क उपचार योजना

नईदुनिया ब्यूरो, वाराणसी: उत्तर प्रदेश में शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों और वार्डेन को अब एक करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी से इस योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां शिक्षकों के लिए इतनी बड़ी बीमा सुरक्षा व्यवस्था शुरू की गई है। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ समझौता किया गया है।

योजना के तहत स्थायी शिक्षक और कर्मचारियों को 10 लाख रुपये का समूह बीमा, एक करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, एक करोड़ रुपये का स्थायी दिव्यांगता बीमा और 1.60 करोड़ रुपये तक का हवाई दुर्घटना बीमा मिलेगा। कर्मचारी के साथ

अनहोनी होने की स्थिति में बच्चों की पढ़ाई और बेटियों के विवाह के लिए भी आर्थिक सहायता दी जाएगी। 10 हजार रुपये से अधिक वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों को 30 लाख से 80 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा मिलेगा। स्थायी दिव्यांगता पर 30 लाख रुपये और आंशिक दिव्यांगता पर 15 लाख रुपये का बीमा उपलब्ध होगा। वहीं, 10 हजार रुपये से कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों को दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने 12 लाख शिक्षकों के लिए कैशलेस उपचार योजना भी शुरू की। उन्होंने बताया कि इसके लिए प्रदेश सरकार हर वर्ष करीब 450 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से बच्चों की शिक्षा और विद्यालयों के वातावरण को बेहतर बनाने पर ध्यान देने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों की प्रदर्शनी भी देखी। इससे पहले 51 बटुकों ने मंत्रोच्चार कर उनका स्वागत किया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में नकल और प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं सामने नहीं आईं।

कांवड़ यात्रा और उर्स को लेकर बरेली में हाई अलर्ट

बरेली। कांवड़ यात्रा और आगामी उर्स-ए-आला हजरत को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दोनों धार्मिक आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। बिना अनुमति कोई नई परंपरा शुरू नहीं होगी और सभी आयोजन पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार ही संपन्न कराए जाएंगे। बैठक में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने कांवड़ मार्गों पर गड्ढों, जलभराव, टूटी सड़कों, लटकते बिजली के तारों और ट्रांसफार्मरों से जुड़ी समस्याएं उठाईं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी प्रमुख मार्गों की मरम्मत, सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था पूरी कर ली जाए।

आपका राशिफल 09 जुलाई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक 4 6 7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से काम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेंगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक 5 6 7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

परिशिष्ट B-संख्यांक 13

जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

एमएसीसी/705/2025

शेर सिंह ठाकुर बनाम नर्मदा आदिवासी

NEXT DATE :10-08-2026

प्रेषिती, पुरूषोत्तम सौर बलवंत सौर पता-ग्राम दलपतपुर माल, पोस्ट दलपतपुर, तहसील खुरई, जिला सागर म.प्र. यह कि प्रार्थी शेर सिंह ठाकुर ने आपके विरूद्व एमएसीसी/705/2025 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 06-05-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। **कृपया ध्यान दें**:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

प्रीती साल्वे, न्यायाधीश
तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

855

कार्यालय संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग क्र.-2 मेट्रो वॉक व्यवसायिक परिसर, प्रथम तल, अरेरा कालोनी, भोपाल

आम सूचना

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल अंतर्गत सीनियर ईडब्ल्यूएस भूखंड क्रमांक-09, हाउसिंग बोर्ड कादम्बरी नगर मोनीपुरा ब्यावरा जिला राजगढ (म.प्र.) को कार्यालयीन आदेश कमांक 6968 दिनांक 31.12.2025 द्वारा मूलतः श्री रविकुमार आत्मज श्री राधेश्याम महाजन एवं श्रीमती शिवकांता पत्नी श्री दयाशंकर दांगी को संयुक्त रूप से आवंटित किया गया था। संपत्ति के प्रथम प्रक्षकार श्री रविकुमार आत्मज श्री राधेश्याम महाजन द्वारा अपने व्यक्तिगत कारणों से उक्त संपत्ति में से अपना हकत्याग कर, हकत्याग करार अनुबंध दिनांक 30.03.2026 को उपपंजीयक कार्यालय से पंजीकृत कराकर उक्त संपत्ति में से श्री रविकुमार आत्मज श्री राधेश्याम महाजन का नाम विलोपित कर द्वितीय पक्षकार श्रीमती शिवकांता पत्नी श्री दयाशंकर दांगी के नाम पर मंडल में हस्तांतरित/नाम विलोपित करने हेतु शपथपत्र /संयुक्त शपथ प्रस्तुत किया हैं। यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/बैंक को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अंदर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय में दस्तावेज प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वींकार नहीं की जावेगीं एवं मंडल नियमानुसार हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही करने हेतु स्वंतत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग क्रमांक-1 भोपाल

854

परिशिष्ट B-संख्यांक 13

जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल तृतीय अपर सत्र न्यायालय भोपाल म.प्र.

नोटिस प्रकाशन हेतु
सीविल सामान्य

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

प्रकरण क्रमांक MACC-705-2025

शेर सिंह वि0 नर्मदा आदिवासी

आगामी दिनांक 10.08.2026

प्रेषिती, नर्मदा आदिवासी पिता रामलाल आदिवासी निवासी दलपतपुर, खुरई जिला सागर म.प्र. यह कि आवेदक शेर सिंह ने आपके विरूद्ध प्रकरण क्रमांक MACC-705-2025 शेर सिंह वि. नर्मदा आदिवासी के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में सबंधित सभी सारवान कथनो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिपरीक्षा का लिखित उत्तर कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिपरीक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगें तो वाद की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 15.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया।

श्रीमती प्रीति साल्वे, न्यायाधीश
तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

853

परिशिष्ट B-संख्यांक 13

जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड, भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

एमजेसी एसयूसी/86/2026

आसिफ अली बनाम सर्वसाधारण

NEXT DATE :12-08-2026

प्रेषिती, सर्वसाधारण पता-सर्वसाधारण यह कि प्रार्थी आसिफ अली ने आपके विरूद्ध एमजेसी एसयूसी/86/2026 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 18-06-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। **कृपया ध्यान दें**:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

श्रीमती मेघा अग्रवाल, न्यायाधीश
पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड भोपाल (म.प्र.)

852